ओ३म्
गुरुकुल काङ्गड़ी (समविश्वविद्यालय), हरिद्वार

संस्कृत विभाग

शिक्षा सत्र **2015- 16** से आरब्ध

CHOICE BASED CREDIT SYSTEM (CBCS)

प्री- पीएच.डी. पाठ्यक्रम

का

संशोधित स्वरूप

वर्ष 2019-20 से प्रभावी

प्री- पीएच.डी. पाठ्यक्रम

उद्देश्य- इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को शोधकार्य सम्बन्धी सम्पूर्ण जानकारी प्रदान करना जिसमें शोधस्वरूप, शोधप्रविधि, रूपरेखा निर्माण सामग्री संकलन आदि का ज्ञान कराना । आधुनिक शोध उपयोगी संगणक इण्टरनेट, शोध सम्बन्धी विभिन्न स्रोतों का ज्ञान कराना,जिससे छात्र अपने शोध में कम्प्यूटर आदि का समुचित प्रयोग कर सकें। छात्रों को पाण्डुलिपियों का अध्ययन एवं सम्पादनविधि का ज्ञान कराना, संस्कृत के प्रसिद्ध पुस्तकालयों पाण्डुलिपि-अभिलेखागारों तथा संस्कृत के प्रमुख शोधकार्य का सर्वेक्षण कराना है साथ ही शोध सम्बन्धित नैतिकताओं से परिचित कराना ।

कुल क्रेडिट- L-10+T-2 =12

पाठ्यक्रम-अध्ययनपरिणाम (Coures Outcomes)–

- इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से छात्रों को शोध के स्वरूप एवं शोध प्रविधि की जानकारी होगी जिसे छात्र उत्तम शोधकार्य करने में समर्थ होगें ।
- इससे छात्र इन्टरनेट गुगल आदि के माध्यम से अपने विषय से सम्बद्ध जानकारी प्राप्त करके गुणवत्ता पूर्ण उत्तम शोधकार्य करेंगे।
- शोध सम्बन्धी नैतिक ज्ञान से छात्र तत्सम्बन्धी अनैतिक कार्य नही करेगें तथा छात्रों का शोधकार्य मौलिक होगा।
- सर्वेक्षण से संस्कृत क्षेत्र में हुये शोधकार्य का ज्ञान होगा जिससे उस विषय में आगे श्रेष्टतर कार्य होगा ।

पी-एच.डी.पूर्व (वेद/संस्कृत) पाठ्यक्रम
प्रथम प्रश्नपत्र - PSA- C101 शोधप्रविधि एवं सामान्य कम्प्यूटर ज्ञान
PSA- C101Shodhapravidhi evamSamanya Computer Jnana

लिखित परीक्षा - 70, आन्तरिक मूल्यांकन[1] - 30

पूर्णांक–100

सकल-अर्जिताधिभार 06

पाठ्यक्रम का उद्देश्य -

इस पत्र का उद्देश्य छात्रों को शोधस्वरूप, शोधप्रविधि रूपरेखा निर्माण सामग्री संकलन आदि का ज्ञान कराना । शोध उपयोगी संगणकीय ज्ञान कराना,जिसे छात्र अपने शोध में कम्प्यूटर आदि का समुचित प्रयोग कर सकें ।

पाठ्यक्रम-अध्ययनपरिणाम (Coures Outcomes)–

- इस पत्र के अध्ययन से छात्रों को शोध के स्वरूप एवं शोध प्रविधि की जानकारी होगी जिसे छात्र उत्तम शोधकार्य करने में समर्थ होंगे ।
- इसमें छात्र इन्टरनेट गुगल आदि के माध्यम से अपने विषय से सम्बद्ध जानकारी प्राप्त करके गुणवत्ता पूर्ण उत्तम शोधकार्य करेंगे ।
- शोध सम्बन्धी नैतिक ज्ञान से छात्र तत्सम्बन्धी अनैतिक कार्य नही करेगें तथा छात्रों का शोधकार्य मौलिक होगा।

प्रथम यूनिट

1. शोध की परिभाषा एवं शोध का उद्देश्य।

---

1. आन्तरिक मूल्यांकन में विभागीय सेमिनार के अन्तर्गत एक शोधपत्र की प्रस्तुति भी करनी होगी ।

2. शोध की उपयोगिता।
3. शोध और आलोचना।
4. शोध के अधिकारी।
5. शोधनिर्देशक का चयन एवं शोधनिर्देशन के सिद्धान्त।
6. साहित्य के क्षेत्र में शोध का स्वरूप।
7. साहित्यिक शोध के प्रकार(तुलनात्मक,ऐतिहासिक,भाषावैज्ञानिक,वैज्ञानिक आदि पद्धतियाँ)।

द्वितीय यूनिट

1. पूर्वकृतकार्य का सर्वेक्षण।
2. शोधक्षेत्र एवं संभाव्य शोधविषय का चयन।
3. शोधक्षेत्र का विभाजन एवं रूपरेखानिर्माण की पद्धति।
4. शोध के प्राथमिक और अन्य स्रोतों की पहिचान।
5. सामग्री संकलन एवं उसका रूपरेखा के अनुसार वर्गीकरण।
6. संगृहीत सामग्री की उपयोगिता का निर्णय।
7. उद्धरण एवं सन्दर्भ लिखने की विधि।
8. परिशिष्ट एवं अनुक्रमणिकाएँ।
9. शोधप्रबन्ध के दोष और उनका निराकरण।

तृतीय यूनिट

1. प्राक्कथन।
2. विषयसूची।
3. शोधप्रबन्धलेखन एवं उसमें विश्लेषण विधि का उपयोग।
4. संकेतसूची।
5. उपसंहार।
6. शोधसार।
7. प्रथम आलेख एवं उसमें संशोधन,अन्तिम आलेख।
8. सहायक सन्दर्भग्रन्थसूचीनिर्माण।
9. शोधसामग्री उपलब्ध कराने वाले स्रोतों के प्रति आभार प्रदर्शन।

चतुर्थ यूनिट

1. विंडो का सामान्य परिचय एवं उससे होने वाले प्रमुख कार्य।

2. एक्सप्लोरर।
3. माइक्रोसोप्ट के ऑफिस का सामान्य ज्ञान।
4. फाइल बनाना एवं फोल्डर बनाना।
5. पाद टिप्पणी डालने की विधि।
6. फार्मेटिंग।
7. शोध में इण्टरनेट का प्रयोग।
8. इण्टरनेट से शोध सामग्री का संकलन।
9. संस्कृत साहित्य का परिचय तथा साहित्य उपलब्ध कराने वाली कतिपय साइट्स के नाम व पते।
10. माइक्रोसोप्ट ऑफिस की फाइल को पी.डी.एफ.बनाना ।
11. पॉवर पॉइण्ट का सामान्य परिचय।

पञ्चम यूनिट–

(क) दर्शन एवं नैतिकता- (दर्शन का परिचय - परिभाषा, प्रकृति और क्षेत्र, संकल्पना तथा शाखा। नैतिकता - परिभाषा, नैतिक दर्शन, नैतिक न्यायों की प्रकृति, प्रतिक्रिया ।)

(ख) प्रकाशन नैतिकता-परिभाषा, परिचय एवं महत्व ।सर्वोत्तम अभ्यास/ मानक स्थापित करने की पहल एवं दिशानिर्देश । प्रकाशन कदाचार - परिभाषा, संकल्पना, ऐसी समस्याएँ जो अनैतिक व्यवहार की ओर ले जाती हैं एवं उनके प्रकार ।कदाचार प्रकाशन की पहचान, शिकायत एवं अपील ।

(ग) प्रकाशन कदाचार -

समूह चर्चा -

विषय विशिष्ट नैतिक मुद्दे, एफएफपी, ग्रन्थकारिता, हितों का टकराव, शिकायत एवं अपील- भारत तथा विदेश में धोखाधड़ी ।

सॉफ्टवेयर उपकरण - साहित्यिक चोरी रोकने वाले सॉफ्टवेयर उपकरण । जैसे –Turnitin, Urkund एवं अन्य मुक्त सॉफ्टवेयर उपकरण ।

संस्तुत पुस्तकसूची

1. अनुसन्धान का विवेचन डॉ.उदयभान सिंह
2. संस्कृत-शोध: वैदिक अध्ययन डॉ.कृष्णलाल

3. शोधप्रविधि डॉ.विनयमोहन शर्मा
4. शोधप्रक्रिया और विवरणिका सावित्री सिन्हा एवं डॉ. विजयेन्द्रस्नातक
5. अनुसन्धान स्वरूप एवं प्रविधि डॉ.रामगोपाल शर्मा दिनेश
6.अनुसन्धान के मूलतत्त्व डॉ.उदयभान सिंह
7. Bird,A, (2006) philosophy of science. Routledge.
8. MacIntyre , Alasair(1997) a short history of Ethics. London.

9. P. chaddah, (2018) Ethics in competitive Research : DO not get scooped; do not get plagiarized,ISBN:978-9387480865

10. National Academy of sciences, national Academy of Enguneering and Institute of medicine.(2009).On Being a scientist :A Guide to Responsible conduct in Research; Third Edition. National Academies press.

11. RESNIK, D.B.(2011)what is ethics in research & why is it important. national insititute of environmentel health Sciences, 1-10. Retrieved form https://www.niehs.nih.gov/research/resources/bioethics/whatis/index.cfmbeall,j.(2012).predatory publishers are corrupting open access.nature, 489(7415), 179-179.

12. Indian national science Academy(INSA),Eethics in science education, research and government (2019) ISBN:978-81-939482-1-7.

पी-एच.डी.पूर्व(वेद/संस्कृत)पाठ्यक्रम

द्वितीय प्रश्नपत्र- PSA- C102 पाण्डुलिपि विज्ञान एवं शोधसर्वेक्षण

PSA- C102 PandulipiVijnana evam Shodhasarvekshana

लिखित परीक्षा- 70, आन्तरिक मूल्यांकन[2]- 30

पूर्णांक- 100

सकल-
अर्जिताधिभार 06

पाठ्यक्रम का उद्देश्य -

इस प्रश्नपत्र का उद्देश्य है छात्रों को पाण्डुलिपियों का अध्ययन एवं सम्पादनविधि का ज्ञान कराना, संस्कृत के प्रसिद्ध पुस्तकालयों पाण्डुलिपि-अभिलेखागारों तथा संस्कृत के प्रमुख शोधकार्य का सर्वेक्षण कराना ।

पाठ्यक्रम-अध्ययनपरिणाम (Coures Outcomes)–

- इस पत्र के अध्ययन से छात्र पाण्डुलिपियों के अध्ययन एवं सम्पादन कर महत्वपूर्ण अप्रकाशित साहित्य का प्रकाशन कर सकेंगे ।
- सर्वेक्षण से संस्कृत क्षेत्र में हुये शोधकार्य का ज्ञान होगा जिससे उस विषय में आगे श्रेष्टतर कार्य होगा ।

प्रथम यूनिट

1. संस्कृत हस्तलेखों का अध्ययन।
2. प्रकाशित और अप्रकाशित ग्रन्थों का पाठनिर्धारण।
3. पाण्डुलिपियों में विकृति के कारण,अध्ययन तथा संशोधन की विधि।
4. संस्कृत में कोश के प्रकार और उनका शोध में उपयोग।
5. संस्कृत साहित्य की प्रमुख शोधपत्रिकाओं का परिचय और उनका शोधकार्य में उपयोग।

---

2. **आन्तरिक मूल्यांकन में विभागीय सेमिनार के अन्तर्गत एक शोधपत्र की प्रस्तुति भी करनी होगी।**

द्वितीय यूनिट

1. वैदिक संस्कृत के लेखनचिह्न।
2. संस्कृत वर्णमाला और उसके चिह्न।
3. अन्तर्राष्ट्रिय लेखनचिह्नों का परिचय।
4. अनुसन्धान केन्द्रों एवं पुस्तकालयों का परिचय।(भण्डारकर ओरियेण्टल रिसर्च इंस्टीटयूट् पूना,विश्वेश्वरानन्द वैदिक शोधसंस्थान होशियारपुर,दयानन्द चेयर ऑफ वैदिक स्टडीज चण्डीगढ़,गुरुकुल काँगड़ी विश्वविद्यालय हरिद्वार.ओरियेण्टल रिसर्च इंस्टीटयूट् तिरुपति,सेन्टर ऑफ एडवांस्ड स्टडीज इन संस्कृत पूना,वैदिक संशोधन मण्डल,पूना,ओरियेण्टल रिसर्च इंस्टीटयूट् मैसूर,गंगानाथ झा रिसर्च इंस्टीटयूट् इलाहाबाद,कुप्पुसामी रिसर्च इंस्टीटयूट् मद्रास)
5. वेद के विविध पाठों(क्रमपाठ आदि)का सामान्य परिचय।

तृतीय यूनिट

1. भारतीय एवं वैदेशिक विद्वानों के शोधकार्य और उनके प्रमुख क्षेत्र।
2. गुरुकुल काँगड़ी विश्वविद्यालय में वेद और संस्कृत में सम्पन्न शोध के प्रमुख क्षेत्र।
3. गुरुकुल काँगड़ी विश्वविद्यालय के विद्वानों के शोधकार्य और उनके प्रमुख क्षेत्र।
4. संस्कृत साहित्य में शोध की भावी दिशा।

चतुर्थ यूनिट

1. वैदिक साहित्य के अनुसन्धान पर दयानन्द का प्रभाव।
2. संस्कृत साहित्य के अनुसन्धान पर दयानन्द का प्रभाव।
3. आधुनिक चिन्तकों की विचारधारा का वेद और संस्कृत के शोधकार्यों पर प्रभाव।
4. आधुनिक विद्वानों की शोधदृष्टि।

5. पञ्चम यूनिट

6. वेद में प्रमुख शोधक्षेत्र(वेद,ब्राह्मण,आरण्यक आदि)।
7. संस्कृत में प्रमुख शोधक्षेत्र(दर्शन,काव्य,नाटक,व्याकरण,योग,आयुर्वेद आदि)।

8. संस्कृत शोध पर आधुनिक विषयों का प्रभाव (भाषाविज्ञान, समाजशास्त्र, राजनीतिशास्त्र, अर्थशास्त्र, मनोविज्ञान, पर्यावरणविज्ञान आदि)।

संस्तुत पुस्तकसूची

1.	भारतीय पाठालोचन की भूमिका(हिन्दी अनुवाद)	डॉ.एस.एम.कत्रे
2.	पाठालोचन: सिद्धान्त और प्रक्रिया	डॉ.मिथिलेश कत्रे
3.	पाण्डुलिपि विज्ञान	डॉ.रामगोपाल शर्मा दिनेश
4.	Indological studies in India	Raghavan
5.	Review of IndologicalResearch in last 75 years.	Ed. P.G. Chinrnulgund and Dr.V.V.Mirashi